सुदूर दक्षणिी प्रवालभत्तिि को भारी क्षत

संदर्भ

समुद्र का तापमान बढ़ने से सुदूर दक्षणि में स्थति कोरल रीफ को भारी क्षत पिहुँच रही है।

प्रमुख बदिु

- इस वर्ष तापमान बढ़ने के कारण लॉर्ड होवे द्वीप (Lord Howe) के प्रवाल (Coral) में प्रवाल वरिंजन (Coral Bleaching) की समस्या उत्पन्न हो रही है।
- वैज्ञानकिों ने पाया है कि लॉर्ड होवे द्वीप के छछिले लैगून के आस-पास की लगभग 90% प्रवालभत्तिि (Coral Reefs) वरिंजन से प्रभावति हैं जबकि समुद्री पार्क की गहराई में स्थति प्रवालभत्तिि वरिंजन से बच गए हैं।
- आस्ट्रेलियाई वैज्ञानकिों ने बताया है कि जलवायु परविर्तन के कारण बढ़ते समुद्री तापमान की वज़ह से सबसे अलग और मानवीय पहुँच से दूर स्थति पारस्थितिकिी तंत्र भी प्रभावति हो रहे हैं।

लॉर्ड होवे द्वीप

- ज्ञातव्य है कि लॉर्ड होवे द्वीप ऑस्ट्रेलयिा स्थति दुनयिा का सबसे दक्षणिी प्रवालभत्तिि है।
- यह सडिनी के समुद्र तट से लगभग 600 कमिी दूर स्थति है।
- द्वीप के दूर और अलग स्थति होने के कारण ही यह 2016 और 2017 में ग्रेट बैरयिर रीफ को नुकसान पहुँचाने वाले गंभीर वरिंजन से सुरक्षति था।

प्रवाल वरिंजन

- जब तापमान, प्रकाश या पोषण में कसिी भी परविर्तन के कारण प्रवालों पर तनाव बढ़ता है तो वे अपने ऊतकों में नविास करने वाले सहजीवी शैवाल जूजैंथलिी को नष्कािसति कर देते हैं जसि कारण प्रवाल सफेद रंग में परविर्ततति हो जाते हैं। इस घटना को कोरल ब्लीचगि या प्रवाल वरिंजन कहते हैं।

और पढ़ें...

ग्रेट बैरयिर रीफ के लयि राहत की खबर

सबसे बड़ी कोरल रीफ को भारी क्षत

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bleaching-hits-world-southernmost-coral-reef